सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

Accredited Grade 'A' by NAAC
[CGPA 3.05] – Third Cycle

कला–संकाय

हिन्दी स्नातक पाठ्यक्रम

(जून, २०२० से अमलीकृत)

- तृतीय एवं चतुर्थ सत्र अनिवार्य हिन्दी
- तृतीय एवं चतुर्थ सत्र मुख्य हिन्दी (पेपर–५, ६, ७, ८, ९, १०)
- तृतीय एवं चतुर्थ सत्र गौण–१, गौण–२ हिन्दी (पेपर–५, ६, ८, ९)

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष : २०१९-२०

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		अनिवार्य मुख्य गौण-१ गौण-२								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	स्नातक	तृतीय	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी एकांकी : सप्त एकांकी एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०१	००	०१
२	स्नातक	तृतीय	मुख्य (पेपर-०५)	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादी काव्य वैभव	०५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०५	०१
३	स्नातक	तृतीय	मुख्य (पेपर-०६)	हिन्दी का मनोवैज्ञानिक उपन्यास : त्यागपत्र	०६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०६	०१
४	स्नातक	तृतीय	गौण-०१ (पेपर-०५)	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ	०५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०२	०१	०१	०५	०१
५	स्नातक	तृतीय	गौण-०१ (पेपर-०६)	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा	०६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०६	०१
६	स्नातक	तृतीय	गौण-०२ (पेपर-०५)	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ	०५	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०३	०१	०१	०५	०१
७	स्नातक	तृतीय	गौण-०२ (पेपर-०६)	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा	०६	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०६	०१
८	स्नातक	तृतीय	मुख्य (पेपर-०७)	हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल, भक्तिकाल	०७	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०१	०७	०१
९	स्नातक	चतुर्थ	अनिवार्य	आधुनिक हिन्दी काव्य : धनुषभंग एवं व्याकरण	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०४	०१	०२	००	०१
१०	स्नातक	चतुर्थ	मुख्य (पेपर-०८)	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काव्य वैभव	०८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०८	०१
११	स्नातक	चतुर्थ	मुख्य (पेपर-०९)	हिन्दी का सामाजिक उपन्यास : सारा आकाश	०९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०९	०१
१२	स्नातक	चतुर्थ	गौण-०१ (पेपर-०८)	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ	०८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०२	०१	०२	०८	०१
१३	स्नातक	चतुर्थ	गौण-०१ (पेपर-०९)	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया	०९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०९	०१
१४	स्नातक	चतुर्थ	गौण-०२ (पेपर-०८)	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ	०८	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०२	०१	०२	०८	०१
१५	स्नातक	चतुर्थ	गौण-०२ (पेपर-०९)	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया	०९	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	०९	०१
१६	स्नातक	चतुर्थ	मुख्य (पेपर-१०)	हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, रीतिकाल	१०	०३	३०	७०	–	१००	१९	०१	०३	०१	०१	०२	१०	०१

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी एकांकी : सप्त एकांकी एवं व्याकरण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०३	००	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी एकांकी के स्वरूप को विस्तार से जानें।
- छात्र नाट्य प्रकारों को जानें।
- छात्र हिन्दी एकांकी नाटकों का उद्भव एवं विकास समझे।
- छात्र भारतीय एवं पारसी रंगमंच की स्थापना का इतिहास समझे।
- छात्र नाटक एवं नाट्य का भेद समझे।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट एकांकीकारों का परिचय प्राप्त करें।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	डॉ. रामकुमार वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें। प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का कथानक				
		'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी में व्यक्त ऐतिहासिकता				
		एकांकी कला के आधार पर 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का मूल्यांकन				
		उपेन्द्रनाथ 'अश्क' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का कथासार				
	ईकाई–२	एकांकी के तत्वों के आधार पर 'लक्ष्मी का स्वागत' का मूल्यांकन				
		'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी में व्यक्त लेखक की स्वानुभूति				
		भुवनेश्वरप्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'स्ट्राईक' एकांकी का कथानक				
		एकांकी–कला के आधार पर 'स्ट्राईक' का मूल्यांकन				
		आधुनिक स्त्री–पुरुष के संबंधों की एक उबाऊ जीवन यात्रा – 'स्ट्राईक'				
	ईकाई–३	जगदीशचन्द्र माथुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का कथानक				
		एकांकी–कला के आधार पर 'रीढ़ की हड्डी' का मूल्यांकन				
		'रीढ़ की हड्डी' में व्यक्त सामाजिक यथार्थवाद				
		ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'यहाँ रोना मना है' एकांकी का कथानक				
	ईकाई–४	एकांकी–कला के आधार पर 'यहाँ रोना मना है' का मूल्यांकन				
		'यहाँ रोना मना है' एकांकी में व्यक्त नारी चेतना				
		आवेदन–पत्र				
		व्यावसायिक–पत्र				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का उद्देश्य – 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की भाषा-शैली – 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता – 'यहाँ रोना मना है' एकांकी का उद्देश्य – 'स्ट्राईक' एकांकी में व्यक्त संवाद-योजना – 'स्ट्राईक' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : सप्त एकांकी
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी-१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी समस्यामूलक नाटकों की शिल्प-विधि : पूनम कुमारी – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. नया हिन्दी नाटक : भानुदेव शुक्ल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. नाटक और नाट्य शैलियाँ : दुर्गा दीक्षित – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. हिन्दी के नाट्य शिल्पी : शान्ति मलिक – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. नाट्य सिद्धांत विवेचन – शान्ति मलिक – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
८. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
९. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण- प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१०. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
११. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१२. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१३. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१४. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–०५)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादी काव्य–वैभव								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०५	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य–०५	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्र हिन्दी कविता के विकासक्रम को जानें ।
- छात्र छायावादी काव्य पर विदेशी साहित्य का प्रभाव विस्तार से समझे ।
- छात्रगण छायावादी काव्य एवं हालावादी काव्य का अंतर समझे ।
- छात्र पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता के भाव एवं शिल्प को समझे ।
- छात्र छायावादी काव्य–प्रवृत्तियों को विस्तार से समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य का मूल्यांकन				
		'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना				
		'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य में व्यक्त सांस्कृति जागरण				
		सुमित्रानन्दन पंत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
	ईकाई–२	'प्रथम रश्मि' काव्य का भावार्थ				
		'प्रथम रश्मि' काव्य में व्यक्त प्राकृतिक रहस्यवाद				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'ताज' काव्य का मूल्यांकन				
		'ताज' काव्य में व्यक्त मानवतावादी संदेश				
		'भारतमाता' कविता का केन्द्रीय भाव				
	ईकाई–३	'भारतमाता' काव्य में व्यक्त ग्रामीण–चेतना				
		'भारतमाता' काव्य में व्यक्त भारतमाता की गौरवगाथा				
		सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'वह तोड़ती पत्थर' कविता में व्यक्त भारतीय शोषित समाज का वर्णन				
		'वह तोड़ती पत्थर' काव्य में व्यक्त प्रगतिशील विचाराधारा				
	ईकाई–४	'भिक्षुक' कविता में उपेक्षित वर्ग की करूणता				
		'भिक्षुक' काव्य में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य का मूल्यांकन				
		'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य का रहस्यवाद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'प्रथम रश्मि' काव्य का संदेश – 'वह तोडती पत्थर' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'ताज' काव्य का उद्देश्य – 'भारतमाता' काव्य का उद्देश्य – 'भिक्षुक' काव्य का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छायावादी काव्य-वैभव
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी-१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. कामायनी एक अध्ययन : डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, आणंद
२. छायावाद : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. प्रसाद काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिप्रसाद गुप्त – भाषा साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
४. छायावाद के स्तंभ, डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. हिन्दी के अर्वाचीन रत्न : डॉ. विमलकुमार जैन – नेशनल पब्लिशींग हाउस दिल्ली
६. पंत : आधुनिक कवि : प्रो. राजकुमार शर्मा, पद्म बुक कम्पनी, जयपुर
७. सुमित्रानंदन पंत तथा आधुनिक हिन्दी कविता में परंपरा और नवीनता : ई. चेलीशेव – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
८. महाकवि निराला : सं. जानकीवल्लभ शास्त्री – निराला निकेतन, मुजफ्फरपुर
९. महादेवी : नया मूल्यांकन : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, भारतेन्दु भवन, शिमला – ०१
१०. निराला : आत्माहन्ता आस्था, दूधनाथसिंह, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
११. प्रसाद-प्रतिभा, सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी-साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
१३. महादेवी वर्मा (चिन्तन और कला), सं. इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
१४. सुमित्रानन्द पन्त, डॉ. नगेन्द्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
१५. निराला, रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
१६. समकालीन कवि : दृष्टि और बोध, रतनकुमार पाण्डेय, अनंग प्रकाशन, दिल्ली-५३
१७. कविता की जमीन और दर्शन, शांति जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१८. सुमित्रानंदन पंत जीवन और दर्शन, शांति जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. आज के लोकप्रिय कवि सुमित्रानन्दन पंत, डॉ. हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२०. आज के लोकप्रिय कवि महादेवी वर्मा, गंगाप्रसाद पांडेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–०६)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का मनोवैज्ञानिक उपन्यास : त्यागपत्र								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०३	०१	०३	०६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य (पेपर–०६)	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण हिन्दी मनोवैज्ञानिक उपन्यास परम्परा को समझे ।
- छात्र उपन्यास और कहानी की भेद–रेखा को जानें ।
- छात्र फ्राइड के 'मनोविश्लेषणात्मक' सिद्धांत को गहराई से जानें ।
- छात्र जैनेन्द्रकुमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें ।
- छात्र पाठ्यक्रम कृति 'त्यागपत्र' में व्यक्त पात्रों की मनःस्थितियों को जानें ।
- छात्रगण 'त्यागपत्र' उपन्यास की जातिगत व्यवस्था को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक		हिन्दी की मनोवैज्ञानिक उपन्यास परम्परा : उद्‌भव एवं विकास				
	ईकाई–१	जैनेन्द्रकुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'त्यागपत्र' उपन्यास का कथानक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'त्यागपत्र' का मूल्यांकन				
	ईकाई–२	मृणाल का चरित्र–चित्रण				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में चित्रित स्त्री–जीवन की समस्याएँ				
		'त्यागपत्र' उपन्यास की मनोवैज्ञानिकता				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त यौन–संबंधों का चित्रण				
	ईकाई–३	प्रमोद का चरित्र–चित्रण				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त जातिगत व्यवस्था				
		'त्यागपत्र' उपन्यास की संवाद–योजना				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त परिवेश				
	ईकाई–४	'त्यागपत्र' उपन्यास में आदर्शवाद				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त समाजिक–चेतना				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त मानवीय संवेदना				
		'त्यागपत्र' उपन्यास का शिल्प–विधान				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'त्यागपत्र' उपन्यास का उद्देश्य – 'त्यागपत्र' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त प्रेमानुभूति – 'त्यागपत्र' उपन्यास की भाषा-शैली – 'त्यागपत्र' उपन्यास का अन्त – 'त्यागपत्र' उपन्यास में अश्लिलता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : त्यागपत्र
लेखक : जैनेन्द्रकुमार
प्राप्ति स्थान : पूर्वोदय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
३. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. भीष्म साहनी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
५. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ : डॉ. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
६. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तिवारी – परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
७. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश 'अमिताभ' – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा
८. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य, दुर्गेश नन्दिनी, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
९. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
१०. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–१ (पेपर–०५)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०३	०५	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण – १	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविताओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेम की ओर प्रेरीत हों ।
- छात्रगण धर्म, जाति, संप्रदाय भाषा क्षेत्र की संकीर्णता से उपर उठकर मानव बंधुत्व की भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविता पढ़कर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना पैदा हो ।
- छात्रों में अपनी मातृभूमि के प्रति ममत्व पैदा होगा ।
- छात्रों में 'स्व' से उपर उठकर राष्ट्र तथा देश की स्वतंत्रता और सम्पन्नता का भाव पैदा होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताओं में व्यक्त राष्ट्रप्रेम का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मातृभूमि' कविता का मूल्यांकन				
		'मातृभूमि' कविता में व्यक्त भारत की प्राकृतिक सुषमा				
		'भारत माता का मंदिर यह' कविता का भावार्थ				
	ईकाई–२	रामधारीसिंह 'दिनकर' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'हिमालय के प्रति' काव्य का भावार्थ				
		'हिमालय के प्रति' काव्य में व्यक्त पौराणिक चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त जन–चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त राजनैतिक चेतना				
	ईकाई–३	सुभद्राकुमारी चौहाण : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाँसी की रानी' कविता का भावार्थ				
		'झाँसी की रानी' कविता में व्यक्त नारी–चेतना				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त राष्ट्र–प्रेम				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त अत्यचारों की बर्बरता				
	ईकाई–४	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'विप्लव गायन' काव्य का भावार्थ				
		'विप्लव गायन' कविता में निरूपित राष्ट्रीय जागरण स्वर				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य का मूल्यांकन				
		'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य में व्यक्त राष्ट्रप्रेम				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप – 'मातृभूमि' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'भारतमाता का मंदिर यह' काव्य का उद्देश्य – 'हिमालय के प्रति' काव्य का संदेश – 'सिंहासन खाली करो' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'झांसी की रानी' काव्य में व्यक्त मध्यवर्ती विचार – 'जलियाँवाला बाग' काव्य का उद्देश्य – 'विप्लव गायन' काव्य में कवि का संदेश – 'हिन्दुस्तान हमारा है' में व्यक्त भारत की महिमा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्रकाशक : शान्ति प्रकाशन, १७८०, सेक्टर–१, दिल्ली बाई–पास, रोहतक–१२४००१(हरियाणा) ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. काव्य–चिंतन : डॉ. नगेन्द्र – नवभारती प्रकाशन, मेरठ
२. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि माखनलाल चतुर्वेदी : सं. हरिकृष्ण 'प्रेमी' – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
३. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद
४. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई – सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
५. कवि धर्म : डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
६. माखनलाल चतुर्वेदी : डॉ. प्रभाकर माचवे – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
७. दिनकर का व्यक्तित्व : डॉ. एस. प्रमीला – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. पथ के साथी : महादेवी वर्मा – भारती भंडार, इलाहाबाद
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
११. माखनलाल चतुर्वेदी : एक यात्रा–पुरुष, सं. श्रीकान्त जोशी – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
१३. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एस. पी. शर्मा
१४. राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य, सं. योगेन्द्र गोस्वामी – अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, न्यास, नई दिल्ली
१५. संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि रामधारीसिंह दिनकर : सं. श्री मन्मथनाथ गुप्त – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–१ (पेपर–६)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०६	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण–१	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से छात्रों में मानवीय गुणों की उत्कृष्टता प्रस्थापित करना ।
- छात्रों को 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से कर्म और भोग का पारस्परिक संबंध समझाना ।
- छात्रों को समयानुसार मानवीय भावनाओं के बदलाव को समझाना ।
- छात्रों को पाप और पुण्य की तात्त्विक भेद–रेखा समझाना ।
- आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को मानवीय जीवन की क्षण–भंगुरता को समझाना ।
- 'मनुष्य परिस्थितियों का दास होता है'– आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को गहराई से समझाना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक		हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास				
	ईकाई–१	भगवतीचरण वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'चित्रलेखा' उपन्यास का कथानक				
		योगीकुमार गिरि का चरित्र–चित्रण				
	ईकाई–२	उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' का मूल्यांकन				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त पाप–पुण्य की समीक्षा				
		'चित्रलेखा' उपन्यास की ऐतिहासिकता				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त तत्कालीन पाखण्ड का पर्दाफाश				
	ईकाई–३	'चित्रलेखा' उपन्यास में युग–चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास के गौण–पात्र				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त मिथकीयता				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में ध्वनित दार्शनिकता				
	ईकाई–४	'चित्रलेखा' उपन्यास में नारी–चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में धार्मिक–सामाजिक परिवेश				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त जीवन–दर्शन				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में नारी–मनोविज्ञान				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'चित्रलेखा' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्देश्य – 'चित्रलेखा' उपन्यास की संवाद-योजना – 'चित्रलेखा' उपन्यास की भाषा-शैली – 'चित्रलेखा' उपन्यास में सांस्कृतिक चेतना –'चित्रलेखा' उपन्यास में पारिवारिक चित्रण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : चित्रलेखा
लेखक : भगवतीचरण वर्मा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'चित्रलेखा और सिनेमाई रूपान्तरण समस्याएँ', जवरीमल्ल पारख
२. पाखंड का पर्दाफाश करती चित्रलेखा, विजय राजबली माथुर
३. उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा, ब्रजनारायण सिंह
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास और युग-चेतना, जवाहरलाल सिंह
५. भगवतीचरण वर्मा का गद्य-साहित्य, डॉ. करूण उमरे
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में नारी-चेतना, डॉ. नीता रत्नेश
५. हिन्दी उपन्यासों में मध्यवर्ग, मंजुला सिंह,
६. हिन्दी उपन्यासों में पारिवारिक चित्रण, महेन्द्रकुमार जैनं
७. हिन्दी उपन्यास में चरित्र-चित्रण-रणवीर रांग्रा
८. नारी विद्रोह और भारतीय मंच, आशा रानी व्होरां
९. हिन्दी उपन्यास में पारिवारिक विमर्श, डॉ. उषा मंत्री
१०. महासमरोतर हिन्दी उपन्यासों में जीवन-दर्शन, डॉ. कलावती प्रकाश
११. हिन्दी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना, डॉ. सुरेश सिन्हा
१२. हिन्दी उपन्यासों में नायिका का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, डॉ. विमल सहस्त्रबुद्धे
१३. भारतीय नारी दशा और दिशा, आशा रानी व्होरा
१४. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन, डॉ. गणेशन
१५. हिन्दी उपन्यास, डॉ. सुषमा धवन
१६. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास, डॉ. बेचन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-०५)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०३	०५	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविताओं को पढ़कर राष्ट्रप्रेम की ओर प्रेरीत हों ।
- छात्रगण धर्म, जाति, संप्रदाय भाषा क्षेत्र की संकीर्णता से उपर उठकर मानव बंधुत्व की भावना से ओतप्रोत होंगे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम की कविता पढ़कर 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना पैदा हो ।
- छात्रों में अपनी मातृभूमि के प्रति ममत्व पैदा होगा ।
- छात्रों में 'स्व' से उपर उठकर राष्ट्र तथा देश की स्वतंत्रता और सम्पन्नता का भाव पैदा होगा ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताओं में व्यक्त राष्ट्रप्रेम का मूल्यांकन	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मातृभूमि' कविता का मूल्यांकन				
		'मातृभूमि' कविता में व्यक्त भारत की प्राकृतिक सुषमा				
		'भारत माता का मंदिर यह' कविता का भावार्थ				
	ईकाई-२	रामधारीसिंह 'दिनकर' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'हिमालय के प्रति' काव्य का भावार्थ				
		'हिमालय के प्रति' काव्य में व्यक्त पौराणिक चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त जन-चेतना				
		'सिंहासन खाली करो' काव्य में व्यक्त राजनैतिक चेतना				
	ईकाई-३	सुभद्राकुमारी चौहाण : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाँसी की रानी' कविता का भावार्थ				
		'झाँसी की रानी' कविता में व्यक्त नारी-चेतना				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त राष्ट्र-प्रेम				
		'जलियाँवाला बाग में बसंत' कविता में व्यक्त अत्यचारों की बर्बरता				
	ईकाई-४	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'विप्लव गायन' काव्य का भावार्थ				
		'विप्लव गायन' कविता में निरूपित राष्ट्रीय जागरण स्वर				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य का मूल्यांकन				
		'हिन्दुस्तान हमारा है' काव्य में व्यक्त राष्ट्रप्रेम				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप – 'मातृभूमि' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'भारतमाता का मंदिर यह' काव्य का उद्देश्य – 'हिमालय के प्रति' काव्य का संदेश – 'सिंहासन खाली करो' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'झांसी की रानी' काव्य में व्यक्त मध्यवर्ती विचार – 'जलियाँवाला बाग' काव्य का उद्देश्य – 'विप्लव गायन' काव्य में कवि को संदेश – 'हिन्दुस्तान हमारा है' में व्यक्त भारत की महिमा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की राष्ट्रीय चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्रकाशक : शान्ति प्रकाशन, १७८०, सेक्टर–१, दिल्ली बाई–पास, रोहतक–१२४००१(हरियाणा) ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. काव्य–चिंतन : डॉ. नगेन्द्र – नवभारती प्रकाशन, मेरठ
२. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि माखनलाल चतुर्वेदी : सं. हरिकृष्ण 'प्रेमी' – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
३. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद
४. भारतेन्दु और नर्मद का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. अरविन्दकुमार देसाई – सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
५. कवि धर्म : डॉ. कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह – प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
६. माखनलाल चतुर्वेदी : डॉ. प्रभाकर माचवे – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
७. दिनकर का व्यक्तित्व : डॉ. एस. प्रमीला – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
८. पथ के साथी : महादेवी वर्मा – भारती भंडार, इलाहाबाद
९. साहित्यिक निबंध : दुर्गाशंकर मिश्र – प्रकाशन केन्द्र, लखनउ
१०. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना – विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
११. माखनलाल चतुर्वेदी : एक यात्रा–पुरुष, सं. श्रीकान्त जोशी – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल – विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
१३. हिन्दी और गुजराती कविता में राष्ट्रीय अस्मिता : एक तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. एस. पी. शर्मा
१४. राष्ट्रीय एकता और भारतीय साहित्य, सं. योगेन्द्र गोस्वामी – अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, न्यास, नई दिल्ली
१५. संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि रामधारीसिंह दिनकर : सं. श्री मन्मथनाथ गुप्त – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
१८. वीर काव्य : सं. उदयनारायण तिवारी – भारती भण्डार, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-६)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का समस्यामूलक उपन्यास : चित्रलेखा								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०६	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से छात्रों में मानवीय गुणों की उत्कृष्टता प्रस्थापित करना ।
- छात्रों को 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से कर्म और भोग का पारस्परिक संबंध समझाना ।
- छात्रों को समयानुसार मानवीय भावनाओं के बदलाव को समझाना ।
- छात्रों को पाप और पुण्य की तात्त्विक भेद-रेखा समझाना ।
- आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को मानवीय जीवन की क्षण-भंगुरता को समझाना ।
- 'मनुष्य परिस्थितियों का दास होता है'- आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को गहराई से समझाना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भगवतीचरण वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास : उद्‌भव एवं विकास				
		भगवतीचरण वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'चित्रलेखा' उपन्यास का कथानक				
	ईकाई-२	योगीकुमार गिरि का चरित्र-चित्रण				
		उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' का मूल्यांकन				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त पाप-पुण्य की समीक्षा				
		'चित्रलेखा' उपन्यास की ऐतिहासिकता				
	ईकाई-३	'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त तत्कालीन पाखण्ड का पर्दाफाश				
		'चित्रलेखा' उपन्यास का युग-चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास के गौण-पात्र				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त मिथकीयता				
	ईकाई-४	'चित्रलेखा' उपन्यास में ध्वनित दार्शनिकता				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में नारी-चेतना				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में धार्मिक-सामाजिक परिवेश				
		'चित्रलेखा' उपन्यास में व्यक्त जीवन-दर्शन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'चित्रलेखा' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'चित्रलेखा' उपन्यास का उद्देश्य – 'चित्रलेखा' उपन्यास की संवाद-योजना – 'चित्रलेखा' उपन्यास की भाषा-शैली – 'चित्रलेखा' उपन्यास में सांस्कृतिक चेतना – 'चित्रलेखा' उपन्यास में पारिवारिक चित्रण		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : चित्रलेखा
लेखक : भगवतीचरण वर्मा
प्राप्ति स्थान : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. 'चित्रलेखा और सिनेमाई रूपान्तरण समस्याएँ', जवरीमल्ल पारख
२. पाखंड का पर्दाफाश करती चित्रलेखा, विजय राजबली माथुर
३. उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा, ब्रजनारायण सिंह
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यास और युग-चेतना, जवाहरलाल सिंह
५. भगवतीचरण वर्मा का गद्य-साहित्य, डॉ. करूण उमरे
४. भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में नारी-चेतना, डॉ. नीता रत्नेश
५. हिन्दी उपन्यासों में मध्यवर्ग, मंजुला सिंह,
६. हिन्दी उपन्यासों में पारिवारिक चित्रण, महेन्द्रकुमार जैनं
७. हिन्दी उपन्यास में चरित्र-चित्रण-रणवीर रांग्रा
८. नारी विद्रोह और भारतीय मंच, आशा रानी व्होरां
९. हिन्दी उपन्यास में पारिवारिक विमर्श, डॉ. उषा मंत्री
१०. महासमरोतर हिन्दी उपन्यासों में जीवन-दर्शन, डॉ. कलावती प्रकाश
११. हिन्दी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना, डॉ. सुरेश सिन्हा
१२. हिन्दी उपन्यासों में नायिका का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, डॉ. विमल सहस्त्रबुद्धे
१३. भारतीय नारी दशा और दिशा, आशा रानी व्होरा
१४. हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन, डॉ. गणेशन
१५. हिन्दी उपन्यास, डॉ. सुषमा धवन
१६. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास, डॉ. बेचन

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०७)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल, भक्तिकाल								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०३	०७	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास के विकास क्रम को समझे ।
- छात्रगण साहित्य के इतिहास से बदलती रचनात्मक प्रक्रिया को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण राष्ट्रीय चेतना में कबीर, जायसी का महत्त्व समझे ।
- छात्र हिन्दी साहित्य के सृजनशीलता के विविध रूपों को जानें ।
- छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से परिवर्तन होती जा रही साहित्यिक प्रवृत्तियों को जानें ।
- छात्रगण ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा के माध्यम से सामाजिक सुधार को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी साहित्य के इतिहास की लेखन परम्परा	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण एवं नामकरण				
		हिन्दी साहित्य का आदिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ				
		आदिकालीन साहित्य : सिद्ध-साहित्य, नाथ-साहित्य, जैन-साहित्य, रासो-साहित्य, रास-साहित्य				
		आदिकालीन संत साहित्य : गद्य-साहित्य एवं स्फुट रचनाएँ				
	ईकाई-२	भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि				
		भक्तिकाल की परिस्थितियाँ				
		भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		भक्तिकाल सुवर्ण-युग के रूप में				
		भक्तिकालीन साहित्य और साहित्यकार				
	ईकाई-३	निर्गुण शाखा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		ज्ञानाश्रयी शाखा (संत शाखा) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		ज्ञानश्रयी शाखा (संत शाखा) के प्रमुख कवि				
		कबीर का समाज सुधारक के रूप में मूल्यांकन				
		ज्ञानाश्रयी शाखा (संत शाखा) के गौण कवि				
	ईकाई-४	प्रेमाश्रयी शाखा (सूफी शाखा) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		प्रेमाश्रयी शाखा (सूफी शाखा) के प्रमुख कवि				
		जायसी और उनका पद्मावत				
		प्रेमाश्रयी शाखा के गौण कवि				
		ज्ञानाश्रयी (संत शाखा) प्रेमाश्रयी (सूफी शाखा) की तुलना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – पृथ्वीराज रासो – पद्मावत की प्रतिकात्मकता – अष्टछाप के कवि – तुलसी का लोकनायकतत्व – अमीर खुसरो – रैदास – विद्यापति – जायसी के पद्मावत में हिन्दु-मुस्लिम एकता – कबीर के राम – मीरांबाई		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : भगवती प्रकाशन, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारणी सभा, काशी
२. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य : उद्‌भव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी – रामकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. जायसी ग्रंथावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
५. सूफी कवि जायसी का प्रेम-निरूपण : निजामुद्दीन अंसारी – पुस्तक संस्थान, कानपुर
६. हिन्दी साहित्य : परम्परागत विवाद एवं नये समाधान – डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त – अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स
७. पद्मावत का काव्य सौंदर्य : प्रो. शिवसहाय पाठक – हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, मुंबई
८. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
९. हिन्दी साहित्य का अतीत, प्रथम भाग : विश्वनाथप्रसाद मिश्र – वाणी-वितान प्रकाशन, वाराणसी
१०. भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर – दि मेकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया, दिल्ली
११. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती काव्य : विविध संदर्भ – डॉ. एस. पी. शर्मा – शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील, डॉ. आभा रानी – चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१४. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त – भारतेन्दु भवन, चंडीगढ
१६. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती-भण्डार, प्रयाग
१८. कबीर की भक्ति भावना : विलियम द्वायर – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. कबीर और अखा का समाज-विमर्श : डॉ. शैलेश के. मेहता – के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
२०. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
२१. भारतीय साहित्य का सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट
२३. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : डॉ. स्मिता सी. पटेल – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : धनुषभंग एवं व्याकरण								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०४	०१	०४	००	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण पौराणिक मिथकों का स्वरूप जानें ।
- छात्रगण पौराणिक अल्पज्ञात चरित्रों को समझे ।
- छात्रगण सीता के पात्र के माध्यम से भारतीय नारी जीवन की मर्यादा को जानें ।
- छात्रगण भारतीय कृषि-संस्कृति की परम्परा को जानें ।
- छात्र सीता के पात्र की विशेषता को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी खण्ड काव्य : उद्‌भव एवं विकास	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		किशोर काबरा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य का कथानक				
		खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'धनुषभंग' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का मूल्यांकन				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य की मिथकीयता				
		'धनुषभंग' काव्य में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य के चरित्रों का चरित्रांकन				
	ईकाई-३	'धनुषभंग' खण्डकाव्य में आधुनिक भाव-बोध				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य में निरूपित आधुनिक समस्याएँ				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य में संवाद-योजना				
		'धनुषभंग' खण्डकाव्य की प्रतिकात्मकता				
	ईकाई-४	प्रेसनोट				
		अनुवाद				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०२	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य में प्रकृति-चित्रण – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य की भाषा शैली – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का ज्ञान-बोध – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य का उद्देश्य – 'धनुषभंग' खण्डकाव्य में अलंकार एवं छंद-योजना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : धनुषभंग
संपादक : किशोर काबरा
प्राप्ति स्थान : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी भावना : शैल कुमारी – हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहबाद
२. आधुनिक हिन्दी साहित्य में नारी : डॉ. सरला हुआ – साहित्य निकेतन, कानपुर
३. आधुनिक कविता का विकास : समाजिक सांस्कृतिक संदर्भ में : डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल 'तरूण' – यतीन्द्र साहित्य सदन, भीलवाड़ा (राज.)
४. आधुनिक हिन्दी काव्य में रामकथा : डॉ. रामनाथ तिवारी – किताब महल, पटना
५. आधुनिक कृष्ण काव्य में युगबोध : डॉ. परविन्दर कौर – भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली
६. आधुनिक हिन्दी कविता-विकास के आयाम : नीरज ठाकुर – चिन्तन प्रकाशन, राजस्थान
७. 'उत्तर रामचरितम्' और आधुनिक हिन्दी प्रबन्ध काव्य परंपरा : डॉ. कृष्णा गोपाल मिश्र – रचना प्रकाशन, जयपुर
८. कृष्णभक्ति – काव्य : द्वापर : डॉ. सुरेशचन्द्र झा 'किकर' – संस्कृति प्रकाशन, अहमदावाद
९. खड़ीबोली रामकाव्यों में चित्रित समाज और संस्कृति : डॉ. मनोहर सराफ – विद्या प्रकाशन, कानपुर
१०. खड़ीबोली के रामकाव्य में युग चेतना : डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव – राहुल पब्लिशिंग, मेरठ
११. गुजरात की समकालीन हिन्दी कविता : डॉ. अम्बाशंकर नागर – हिन्दी साहित्य, अकादमी
१२. गोस्वामी तुलसीदास : डॉ. मायाप्रकाश पाण्डेय – चिन्त प्रकाशन, कानपुर
१३. डॉ. किशोर काबरा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – शान्ति प्रकाशन, आसन, रोहतक, हरियाणा
१४. 'धनुष-भंग' : एक अनुशीलन : डॉ. घनश्याम अग्रवाल – दिव्या प्रकाशन, हीरा वाडी, नरोडा रोड, अहमदाबाद
१५. नव्य प्रबंध काव्यों में आधुनिक बोध : उर्वशी शर्मा – बोहरा प्रकाशन, जयपुर
१६. नवमें दशक की हिन्दी कविता : डॉ. यतीन्द्र तिवारी – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
१७. 'नारी-शोषण'-समस्याएँ एवं समाधान : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
१८. भारतीय जनता तथा संस्थाएँ : रवीन्द्रनाथ मुकर्जी
१९. भारतीय नारी अस्मिता और अधिकार : आशारानी व्होरा – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
२०. भारतीय नारी : वर्तमान समस्यायें और भावी समाधान – डॉ. आर. पी. तिवारी एवं डॉ. डी.डी. पी. शुक्ला – ए.पी. एच. पब्लिशींग कोर्पोरेशन, नई दिल्ली
२१. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान : डॉ. शुक्ल उमा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२२. भारतीय स्त्री : सांस्कृति संदर्भ : प्रतिभा जैन एवं संगीता शर्मा –
२३. भारतीय समाज में नारी : प्रज्ञा शर्मा – पोईन्टर पब्लिशर्स, जयपुर
२४. भारतीय समाज में नारी : सुनीता जैन, संगीता गोयल – आर.बी.एस.ए. पब्लिशर्स, जयपुर
२५. भारतीय संस्कृति में नारी : डॉ. सिंहल लता – परिमल पब्लिशर्स, शक्तिनगर, दिल्ली
२६. भारतीय संस्कृति के मूल तत्व : सोती वीरेन्द्र चंद्र – राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली
२७. महाभारत कालीन नारी : डॉ. श्रीमती स्कालस्टिका कुजूर – इन्स्टर्न बुक लिंकर्स, न्यू चन्द्रावल, दिल्ली
२८. महाभारत कथाओं पर आधारित हिन्दी काव्य : डॉ. राघवप्रसाद पाण्डेय – साहित्य रत्नालय, कानपुर
२९. महिला एवं विकास : डॉ. राजकुमार – अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३०. मिथकीय संदर्भो में रामचरित : डॉ. सुभद्रा पाटिल – विद्या प्रकाशन, कानपुर
३१. रामायण का आचार दर्शन : अम्बा प्रसाद श्रीवास्तव – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
३२. रामायण में नारी : डॉ. अर्चना विश्नोई – परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
३३. रामकाव्यों में नारी : डॉ. विद्या – प्रकाशन संस्थान
३४. वैदिक वाङमय में नारी : डॉ. सुषमा शुक्ला – विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
३५. सीता समाधि : राजेश्वरी अग्रवाल – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
३६. हिन्दी महाकाव्यों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव – सरस्वती प्रकाशन, कानपुर
३७. हिन्दी रामकाव्य में नारी : डॉ. पूर्णिमा केड़िया – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३८. हिन्दी रामकाव्य का स्वरूप और विकास बदलते युगबोध के परिप्रेक्ष्य में : प्रेमचन्द माहेश्वरी – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
३९. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४०. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद – भारती भवन, पटना
४१. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण- प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
४२. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
४३. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
४४. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी – साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
४५. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
४६. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०८)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काव्य-वैभव								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी कविता के विकासक्रम को जानें ।
- छात्रगण छायावादोत्तर काव्य-प्रवृत्तियों को विस्तार से समझे ।
- छात्र पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता के भाव एवं शिल्प को समझे ।
- छात्रगण छायावादी एवं छायावादोत्तर कविता की प्रवृत्तियों का अंतर समझे ।
- छात्रगण छायावादोत्तर काव्य की रचना-सृजन प्रक्रिया को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हरिवंशराय बच्चन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मधुशाला' काव्य का मूल्यांकन				
		हालावादी काव्य प्रवृत्ति के आधार पर 'मधुशाला' काव्य का मूल्यांकन				
		'जो बीत गई सो बात गई' काव्य का भावार्थ				
	ईकाई-२	अज्ञेय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'नदी के द्वीप' काव्य का मूल्यांकन				
		'नदी के द्वीप' काव्य में व्यक्त अस्तित्ववाद				
		नागार्जुन : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
	ईकाई-३	'सौंप' काव्य की व्यंग्यात्मकता				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'अकाल और उसके बाद' काव्य का मूल्यांकन				
		'अकाल और उसके बाद' काव्य में व्यक्त क्रूर महाजनी सभ्यता				
		'अकाल और उसके बाद' कविता में व्यक्त आधुनिक भारत की सामाजिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था				
	ईकाई-४	धूमिल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'मोचीराम' काव्य का भावार्थ				
		साम्यवादी समाजव्यवस्था के संदर्भ में 'मोचीराम' काव्य का मूल्यांकन				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'रोटी और संसद' काव्य का मूल्यांकन				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'जो बीत गई सो बात गई' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'प्रेत का बयान' काव्य के शीर्षक की सार्थकता – 'मधुशाला' काव्य का शीर्षक – 'सौंप' काव्य में व्यक्त नगर की व्यवस्था – 'रोटी और संसद' काव्य में व्यक्त प्रशासन व्यवस्था – 'नदी के द्वीप' काव्य की प्रतिकात्मकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छायावादोत्तर काव्य–वैभव
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी–१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. गजानन माधव मुक्ति बोध और उनका काव्य : डॉ. संजीवसिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. छायावादोत्तर हिन्दी कविता : डॉ. आलोक गुप्त – गुजरात युनिवर्सिटी
३. सर्वेश्वर : मुक्तिबोध और अज्ञेय : डॉ. कृपाशंकर पाण्डेय – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. समसामयिक हिन्दी साहित्य : उपलब्धियाँ : सं. श्री मन्मथनाथ गुप्त, नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
५. आधुनिक हिन्दी साहित्य : सच्चिदानन्द वात्स्यायन – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
६. अज्ञेय का काव्य : एक विश्लेषण : डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र – विद्यामंदिर बेंग्लौर – २
७. अज्ञेय : सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी – नेशनल पब्लिशींग हाउस, नयी दिल्ली
८. 'अज्ञेय' कवि : डॉ. ओमप्रकाश अवस्थी – ग्रन्थम्, कानपुर
९. तार सप्तक के कवि : काव्य के शिल्प के मान : डॉ. कृष्णलाल – साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
१०. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : गजानन माधव मुक्तिबोध – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
११. नयी कविता की पहचान : डॉ. राजेन्द्र मिश्र – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
१२. अज्ञेय : सृजन और संघर्ष – राजकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद–१
१३. समकालीन कवि और काव्य : कल्याणचन्द्र – चिन्तन प्रकाशन, कानपुर
१४. दिशान्तर, सं. डॉ. परमानन्द श्रीवास्तव, डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी : अनुराग प्रकाशन, वाराणसी
१५. क्रांति दर्शी कवि धूमिल : डॉ. वी. कृष्ण – सीता प्रकाशन, हाथरस
१६. नया काव्य : नये मूल्य : ललित शुक्ल – दि मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया, दिल्ली
१७. हिन्दी कविता की प्रगतिशील भूमिका : प्रभाकर क्षोत्रिय – दि मैकमिलन ऑफ इंडिया, दिल्ली
१८. बच्चन : पत्र, यादें, मुलाकातें : सं. डॉ. श्यामसुन्दर घोष – उमेश प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. अज्ञेय एक अध्ययन : डॉ. भोलाभाई पटेल – गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
२०. हरिवंशराय बच्चन की साहित्य साधना : पुष्पा भारती – वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
२१. आज के लोकप्रिय कवि बच्चन : चन्द्रगुप्त विद्यालंकार – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर-०९)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का सामाजिक उपन्यास : सारा आकाश								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०९	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रों को हिन्दी के सामाजिक यथार्थवादी उपन्यासों का परिचय प्राप्त करवाना ।
- 'सारा आकाश' उपन्यास के पात्रों के माध्यम से छात्रों को भारतीय युवा-वर्ग की कुंठित मानसिकता का परिचय प्राप्त करवाना ।
- ''सारा आकाश' उपन्यास में युवा-वर्ग की विपन्नताओं को छात्रों का समझाना ।
- छात्रों को 'सारा आकाश' उपन्यास के माध्यम से वर्तमान भारतीय मध्यमवर्गीय समाज का परिचय प्राप्त करवाना ।
- वर्तमान भारतीय समाज की मूलभूत सामाजिक समस्याओं को आलोच्य उपन्यास के माध्यम से छात्रों को समझाना ।
- व्यक्तिगत प्रेम और सामाजिक प्रेम का अंत:सम्बन्ध स्पष्ट करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	राजेन्द्र यादव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'सारा आकाश' उपन्यास का कथानक				
		'सारा आकाश' उपन्यास की प्रभा				
		'सारा आकाश' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक यथार्थ				
	ईकाई-२	उपन्यासकला के आधार पर 'सारा आकाश' का मूल्यांकन				
		'सारा आकाश' उपन्यास का नायक समर				
		निम्न मध्यवर्ग की वेदना का जीवंत दस्तावेज 'सारा आकाश'				
		'सारा आकाश' उपन्यास में व्यक्त नारी-चेतना				
	ईकाई-३	'सारा आकाश' उपन्यास के गौण पात्र				
		'सारा आकाश' में मानवीय मूल्यों का संक्रमण				
		'सारा आकाश' उपन्यास में स्वातंत्र्योत्तर युवा पीढ़ी की मानसिकता				
		'सारा आकाश' उपन्यास में आर्थिक चेतना				
	ईकाई-४	वर्तमान भौतिकवादी युग और 'सारा आकाश' उपन्यास				
		'सारा आकाश' उपन्यास में स्त्री-पुरुष संबंध				
		'सारा आकाश' उपन्यास का देशकाल				
		मध्यवर्गीय नवयुवकों का अस्तित्व और 'सारा आकाश'				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'सारा आकाश' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'सारा आकाश' उपन्यास का उद्देश्य – 'सारा आकाश' उपन्यास में आर्थिक विपन्नता – 'सारा आकाश' उपन्यास की संयुक्त पारिवारिक व्यवस्था – 'सारा आकाश' उपन्यास का ठाकुर साहब – 'सारा आकाश' उपन्यास में नारी अंतर्द्वन्द्व		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : सारा आकाश
लेखक : राजेन्द्र यादव
प्राप्ति स्थान : राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ :

१. उपन्यासकार राजेन्द्र यादव – चन्द्रभानु सोनवणे
२. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास मूल्य संक्रमण – डॉ. देवेन्द्रकुमार पानेरी
३. हिन्दी उपन्यास सामाजिक संदर्भ – डॉ. बालकृष्ण गुप्त
४. समकालीन हिन्दी उपन्यास – डॉ. डालीलाल
५. हिन्दी उपन्यास साहित्य की विकास परम्परा में साठोत्तरी उपन्यास : डॉ. पारूकान्त – चिंतन प्रकाशन, कानपुर
६. हिन्दी उपन्यास पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान, लिपिक प्रकाशन, दिल्ली
७. आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिन्दी उपन्यास : अतुलवीर अरोडा, पंजाब पब्लिकेशन, चंदीगढ
८. उपन्यास समीक्षा के नये आयाम : दंगल झाल्टे – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
९. आधुनिक समाज की नारी चेतना : डॉ. सुशील वर्मा – आशा पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१०. उत्तरशती का हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. मोहनन – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
११. उपन्यास : स्वरूप तथा शिल्प : डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त – अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली
१२. नवम् दशक के उपन्यास : संवेदना और शिल्प – डॉ. कल्पना माणिकचंद व्हसाळे – अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
१३. मार्क्सवाद और हिंदी उपन्यास : डॉ. एन. रवीन्द्रनाथ – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१४. वर्तमान हिंदी कथालेखन और दाम्पत्य जीवन : डॉ. साधना अग्रवाल – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
१५. समकालीन महिला लेखन : डॉ. ओमप्रकाश शर्मा – पूजा प्रकाशन, इलाहाबाद
१६. हिंदी उपन्यासों में नायिका की परिकल्पना : डॉ. सुरेश सिन्हा – अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
१७. हिंदी उपन्यासों में स्त्री अस्मिता की अभिव्यक्ति : डॉ. वीना रानी – अकादमीक प्रतिभा, दिल्ली
१८. हिंदी उपन्यास : शिल्प और प्रयोग – डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
१९. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिंहा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२०. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी – अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स लि. दिल्ली
२१. स्त्री-पुरुषों के संबंधों का विमर्श : डॉ. उषा कीर्ति राणावत – साहित्य चन्द्रिका, जयपुर

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण–१ (पेपर–७)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – १	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- संकलित कविताओं के माध्यम से छात्रों को भारतीय दलित समाज एवं साहित्यकारों का विस्तृत परिचय प्राप्त करवाना ।
- हमारे देश में व्याप्त दलित समाज की समस्याओं, उनके सपनों, जरूरतों एवं उनके सरोकारों को दलित साहित्य के माध्यम से छात्रों को समझाना ।
- दलित कविता के माध्यम से दलित समाज की अस्मिता को छात्रों को बताना ।
- भारतीय जातिवादी समाज में दलितों का स्थान संबंधी विचारधारा को छात्रों के सम्मुख रखना ।
- जातिगत समस्या को नस्तनाबूद के लिए विभिन्न विचारों का योगदान बताना ।
- भारतीय संविधान एवं बाबा साहब आम्बेड़कर की विचारधारा को छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करना ।
- हिन्दी काव्य परम्परा में दलित काव्य का स्थान छात्रों को विस्तृत रूप से बतलाना ।
- दलित समाज में व्याप्त परिवर्तनकामी दलित चेतना को छात्रों को समझाना ।
- दलित संघर्ष में दलितों के योगदान को स्पष्ट करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	दलित चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		ओमप्रकाश वाल्मीकि : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाड़ूवाली' कविता में व्यक्त दलित चेतना				
		'तब तुम क्या करोगे' कविता में दलित वैचारिकता				
	ईकाई–२	जयप्रकाश कर्दम : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता में व्यक्त दलित वर्णवादी वैचारिकता				
		'गूँगा नहीं था मैं' कविता में दलित समाज का आर्तनाद				
		जयप्रकाश कर्दम रचित पाठ्य कविताओं में व्यक्त दलित–चेतना				
	ईकाई–३	मोहनदास नैमिशराय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'एक शव का बयान' कविता का भावार्थ				
		'ईश्वर की मौत' कविता में व्यक्त दलित विमर्श				
		'झाड़ू और कलम' कविता का भावार्थ				
	ईकाई–४	सुशीला टाकभौरे : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'ओ वाल्मीकि' कविता में दलित मनःस्थिति				
		'सुनो विक्रम' कविता में दलित विमर्श				
		'तुमने उसे कब पहचाना' कविता की वैचारिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'झाडूवाली' कविता के शीर्षक की सार्थकता – 'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता का उद्देश्य – 'ईश्वर की मौत' कविता में नास्तिकता और दलित – 'ओ वाल्मीकि' कविता का भावार्थ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : लाईब्रेरी बुक हाउस, ५-नारायण, विश्वकर्मा मंदिर के पास, विसत पेट्रोल पंप के पीछे, गांधीनगर हाईवे, साबरमती, अहमदाबाद – ३८०००५ (गुजरात)

संदर्भ ग्रंथ :

१. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर
२. दलित विमर्श के विविध आयाम- डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
३. इक्कीसवीं सदी का दलित आंदोलन – सं. डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
४.दलित साहित्य का मूल्यांकन – प्रो. चमनलाल
५. अंबेडकर चिंतन और हिन्दी दलित साहित्य – डॉ. पी. एम. सिंह
६. दसवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में दलित चेतना – कृष्णावंती वसाणी
७. दलित साहित्य की भूमिका – हरपालसिंह अरूष
८. दलित साहित्य – डॉ. रामप्रसाद मिश्र
९. दलित विमर्श – डॉ. नरसिंहम् वणकर
१०. अछूत कौन और कैसे – डॉ. भीमराव अंबेडकर
११. हिन्दी मराठी दलित साहित्य : एक मूल्यांकन – डॉ. सुनीता सारवरे
१२. दलित साहित्य – डॉ. जयप्रकाश कर्दम
१३. दलित साहित्य : अवधारणा और स्वरूप – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१४. दलित साहित्य और उसकी सीमाएँ – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१५. भारतीय दलितों की समस्याए एवं उनका समाधान – डॉ. आर. जी. सिंह
१६. दलित धर्म की अवधारणा और बौद्ध धर्म – कंवल भारती

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-१ (पेपर-८)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०४	०९	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – १	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण हिन्दी उपन्यास परम्परा में आँचलिक उपन्यासों के स्थान विषय को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यास के स्वरूप को समझे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन की महत्ता प्रतिपादित होंगी ।
- छात्रगण ठेठ भारतीय बोली का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण नगरजीवन एवं ग्रामीणजीवन की तुलना करें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भैरवप्रसाद गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'गंगामैया' उपन्यास का कथानाक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'गंगामैया' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	आँचलिक उपन्यास के रूप में 'गंगामैया' की समीक्षा				
		'गंगामैया' उपन्यास के चरित्रों का चित्रांकन				
		'गंगामैया' उपन्यास की संवाद योजना				
	ईकाई-३	'गंगामैया' उपन्यास की आँचलिकता				
		'गंगामैया' उपन्यास की भाषा शैली				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त ग्राम-चेतना				
	ईकाई-४	'गंगामैया' उपन्यास निरूपित समस्याएँ				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त जमीनदारी प्रथा				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गंगामैया' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना – 'गंगामैया' उपन्यास का उद्देश्य – 'गंगामैया' उपन्यास में निरूपित समाज-व्यवस्था – 'गंगामैया' उपन्यास का अन्त – 'गंगामैया' उपन्यास के गौण पात्र		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गंगामैया
संपादक : भैरवप्रसाद गुप्त
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. नागार्जुन और थामस हार्डी के आँचलिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. राखी बालगोपाल
२. हिंदी आँचलिकता का अभ्युदय और रेणु के उपन्यास : डॉ. हरिशंकर दुबे
३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन : डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी
४. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में पुरूष : डॉ. संध्या मेरिया
५. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन : डॉ. भरत सगरे
६. आठवें दशक के आँचलिक उपन्यास : डॉ. अनिल सांलुखे – विकास प्रकाशन, कानपुर-१२
७. द्वितीय महायुद्धेत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
८. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पुर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्त्क मन्दिर, आगा
११. आँचलिक और आधुनिक : रघुवीर चौधरी – रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
१२. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तीवारी – परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
१३. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा
१४. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य : दुर्गेश नन्दिनी – क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
१६. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
१७. हिन्दी प्रभुख गद्यकार और उनका गद्य साहित्य : ढॉ. मिलत जे. भालोडिया – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-७)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी की दलित काव्यधारा : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	०८	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- संकलित कविताओं के माध्यम से छात्रों को भारतीय दलित समाज एवं साहित्यकारों का विस्तृत परिचय प्राप्त करना ।
- हमारे देश में व्याप्त दलित समाज की समस्याओं, उनके सपनों, जरूरतों एवं उनके सरोकारों को दलित साहित्य के माध्यम से छात्रों को समझाना ।
- दलित कविता के माध्यम से दलित समाज की अस्मिता को छात्रों को बताना ।
- भारतीय जातिवादी समाज में दलितों का स्थान संबंधी विचारधारा को छात्रों के सम्मुख रखना ।
- जातिगत समस्या को नस्तनाबूद के लिए विभिन्न विचारों का योगदान बताना ।
- भारतीय संविधान एवं बाबा साहब आम्बेड़कर की विचारधारा को छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करना ।
- हिन्दी काव्य परम्परा में दलित काव्य का स्थान छात्रों को विस्तृत रूप से बतलाना ।
- दलित समाज में व्याप्त परिवर्तनकामी दलित चेतना को छात्रों को समझाना ।
- दलित संघर्ष में दलितों के योगदान को स्पष्ट करना ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	दलित चेतना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		ओमप्रकाश वाल्मीकि : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'झाड़ूवाली' कविता में व्यक्त दलित चेतना				
		'तब तुम क्या करोग' कविता में दलिता वैचारिकता				
	ईकाई-२	जयप्रकाश कर्दम : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता में व्यक्त दलित वर्णवादी वैचारिकता				
		'गूँगा नहीं था मैं' कविता में दलित समाज का आंतर्नाद				
		जयप्रकाश कर्दम रचित पाठ्य कविताओं में व्यक्त दलित-चेतना				
	ईकाई-३	मोहनदास नैमिशराय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'एक शव का बयान' कविता का भावार्थ				
		'ईश्वर की मौत' कविता में व्यक्त दलित विमर्श				
		'झाड़ू और कलम' कविता का भावार्थ				
	ईकाई-४	सुशीला टाकभौरे : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'ओ वाल्मीकि' कविता में दलित मनःस्थिति				
		'सुनो विक्रम' कविता में दलित विमर्श				
		'तुमने उसे कब पहचाना' कविता की वैचारिकता				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'झाड़ूवाली' कविता के शीर्षक की सार्थकता – 'वर्णवाद का पहाड़ा' कविता का उद्देश्य – 'ईश्वर की मौत' कविता में नास्तिकता और दलित – 'ओ वाल्मीकि' कविता का भावार्थ		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी की दलित चेतना संपन्न कविताएँ
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : लाईब्रेरी बुक हाउस, ५-नारायण, विश्वकर्मा मंदिर के पास, विसत पेट्रोल पंप के पीछे, गांधीनगर हाईवे, साबरमती, अहमदाबाद – ३८०००५ (गुजरात)

संदर्भ ग्रंथ :

१. दलित साहित्य का समाजशास्त्र – हरिनारायण ठाकुर
२. दलित विमर्श के विविध आयाम– डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
३. इक्कीसवीं सदी का दलित आंदोलन – सं. डॉ. वीरेन्द्रसिंह यादव
४.दलित साहित्य का मूल्यांकन – प्रो. चमनलाल
५. अंबेडकर चिंतना और हिन्दी दलित साहित्य – डॉ. पी. एम. सिंह
६. दसवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में दलित चेतना – कृष्णावंती वसाणी
७. दलित साहित्य की भूमिका – हरपालसिंह अरूष
८. दलित साहित्य – डॉ. रामप्रसाद मिश्र
९. दलित विमर्श – डॉ. नरसिंहम् वणकर
१०. अछूत कौन और कैसे – डॉ. भीमराव अंबेडकर
११. हिन्दी मराठी दलित साहित्य : एक मूल्यांकन – डॉ. सुनीता सारवरे
१२. दलित साहित्य – डॉ. जयप्रकाश कर्दम
१३. दलित साहित्य : अवधारणा और स्वरूप – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१४. दलित साहित्य और उसकी सीमाएँ – डॉ. जगन्नाथ पंडित
१५. भारतीय दलितों की समस्याए एवं उनका समाधान – डॉ. आर. जी. सिंह
१६. दलित धर्म की अवधारणा और बौद्ध धर्म – कंवल भारती

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	गौण-२ (पेपर-८)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का आँचलिक उपन्यास : गंगामैया								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०२	०१	०४	०९	०२	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	गौण – २	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण हिन्दी उपन्यास परम्परा में आँचलिक उपन्यासों के स्थान विषय को विस्तार से जानें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यास के स्वरूप को समझे ।
- छात्रों में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के माध्यम से भारतीय ग्रामीण जीवन की महत्ता प्रतिपादित होंगी ।
- छात्रगगण ठेठ भारतीय बोली का परिचय प्राप्त करें ।
- छात्रगण नगरजीवन एवं ग्रामीणजीवन की तुलना करें ।
- छात्रगण आँचलिक उपन्यासकारों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	भैरवप्रसाद गुप्त : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'गंगामैया' उपन्यास का कथानाक				
		उपन्यास कला के आधार पर 'गंगामैया' का मूल्यांकन				
	ईकाई-२	आँचलिक उपन्यास के रूप में 'गंगामैया' की समीक्षा				
		'गंगामैया' उपन्यास के चरित्रों का चित्रांकन				
		'गंगामैया' उपन्यास की संवाद योजना				
	ईकाई-३	'गंगामैया' उपन्यास की आँचलिकता				
		'गंगामैया' उपन्यास की भाषा शैली				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त ग्राम-चेतना				
	ईकाई-४	'गंगामैया' उपन्यास निरूपित समस्याएँ				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त जमीनदारी प्रथा				
		'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सामाजिक चेतना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'गंगामैया' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त सांस्कृतिक चेतना – 'गंगामैया' उपन्यास का उद्देश्य – 'गंगामैया' उपन्यास में निरूपित समाज-व्यवस्था – 'गंगामैया' उपन्यास का अन्त – 'गंगामैया' उपन्यास के गौण पात्र		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : गंगामैया
संपादक : भैरवप्रसाद गुप्त
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

१. नागार्जुन और थामस हार्डी के आँचलिक उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. राखी बालगोपाल
२. हिंदी आँचलिकता का अभ्युदय और रेणु के उपन्यास : डॉ. हरिशंकर दुबे
३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में चित्रित दलित जीवन : डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी
४. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में पुरुष : डॉ. संध्या मेरिया
५. हिन्दी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन : डॉ. भरत सगरे
६. आठवें दशक के आँचलिक उपन्यास : डॉ. अनिल सांलुखे – विकास प्रकाशन, कानपुर-१२
७. द्वितीय महायुद्धेत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
८. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पुर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली
९. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
१०. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्त्क मन्दिर, आगा
११. आँचलिक और आधुनिक : रघुवीर चौधरी – रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद
१२. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तीवारी – परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई
१३. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश अमिताभ – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा
१४. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य : दुर्गेश नन्दिनी – क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा
१६. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट
१७. हिन्दी प्रभुख गद्यकार और उनका गद्य साहित्य : ढॉ. मिलत जे. भालोडिया – शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०२०

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	मुख्य (पेपर–१०)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल, रीतिकाल								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१९	०१	०३	०१	०१	०४	१०	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:३० घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०४	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण भक्ति की विकासवादी दृष्टि को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण तुलसी की मानवतावदी एवं समन्वय दृष्टि को जानें ।
- छात्रगण सूरदास की ग्राम चेतना को समझे ।
- छात्रगण रीतिकालीन साहित्य से परिचित होंगे ।
- छात्रगण रीतिकालीन साहित्य से लौकिक प्रेम और अलौकिक प्रेम का सबंध जानें ।
- छात्रगण रीतिकालीन कवियों की सृजनात्मक प्रतिभा को पहचानें ।
- छात्रगण रीतिकालीन कवियों की राष्ट्रीय भावना से परिचित होंगे ।
- छात्रगण भक्तिकाल एवं रीतिकाल की तुलना करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	सगुण शाखा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	. इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		राममार्गी काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		राममार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि तुलसीदास				
		राममार्गी काव्यधारा के गौण कवि				
		तुलसीदास की भक्तिभावना				
	ईकाई–२	राममार्गी एवं कृष्णमार्गी काव्यधाराकी तुलना				
		कृष्णमार्गी काव्यधारा की साहित्यिक प्रवृतियाँ				
		कृष्णमार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि सूरदास				
		कृष्णमार्गी काव्यधारा के गौण कवि				
		सूरदास की भक्तिभावना				
		निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा की तुलना				
	ईकाई–३	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि				
		रीतिकाल का नामकरण एवं सीमा निर्धारण				
		रीतिकालीन काव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		रीतिकालीन काव्य : रीतिबद्ध, रीतिमुक्त एवं रीति सिद्ध काव्य				
		रीतिकाल के प्रमुख एवं गौण कवि				
	ईकाई–४	रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि घनानंद का परिचय				
		रीतिबद्ध काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिबद्ध काव्यधारा के प्रमुख केशव का परिचय				
		रीतिसिद्ध काव्यधारा की विशेषताएँ – रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवि बिहारी का परीचय				
		रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की तुलना				
		रीतिकालीन भक्ति काव्य				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.३०	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – रामचंद्रिका – बिहारी सतसई – रीतिकालीन गद्य साहित्य – रसखान – भूषण की राष्ट्रीयता – रीतिकालीन लक्षण-ग्रंथों की परम्परा		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.३०	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ.बी.के.कलासवा
प्राप्ति स्थान : वासुकी कृपा ऑफसेट, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल – नागरि प्रचारिणी सभा, काशी
३. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप – जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
४. मध्यकालीन भक्ति काव्य की धार्मिक पृष्ठभूमि : डॉ. रामनाथ धूरेलाल शर्मा – राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
५. भक्ति-काव्य के पुनर्मूल्यांकन में उपयोगी संदर्भ : डॉ. रामनाथ शर्मा – महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा
६. हिन्दी के काव्यकार : दमोदरदास गुप्त एवं आदित्येश्वर कौशिक – आर्गस पब्लिशींग कंपनी, नयी दिल्ली
७. हिन्दी साहित्य का अतीत (प्रथम भाग – आदिकाल, भक्तिकाल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – वाणी-विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
८. हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग – शृंगार काल) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – वाणी-विज्ञान प्रकाशन, वाराणसी
९. बिहारी और उनका साहित्य, डॉ. हरवंश लाल शर्मा – भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ
१०. मध्ययुगीन भक्ति काव्य के विचार पक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन : डॉ. शिवप्रसाद शुक्ल – आस्था प्रकाशन, दिल्ली
११. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
१२. मीराँबाई और उनकी पदावली : देशराजसिंह भाटी – अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१३. बिहारी-सतसई : सं. श्री लक्ष्मीनिधि चतुर्वेदी – भारतवासी प्रकाशन, इलाहाबाद
१४. रसखान का काव्य : चन्द्रशेखर पांडे – सुलभ साहित्य-माला
१५. बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास – 'रत्नाकर', तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
१६. हिन्दी स्वच्छन्दावाती काव्य : डॉ. प्रेमशंकर – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, इलाहाबाद
१७. हमारे मुस्लिम संत कवि : कृ. गो. वानखेडे गुरुजी – प्रकाशन विभाग, दिल्ली
१८. कविताकली : तुलसीदास – अनु. इन्द्रदेवनारायण – गीता प्रेस गोरखपुर
१९. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र – इलाहाबाद
२०. भारतीय साहित्य का सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मितल जे. भालोडिया – पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२१. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल – प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
२२. स्वामिनारायण संप्रदाय के प्रमुख अष्टकवियों के काव्यों में कृष्णभक्ति एवं 'प्रकीर्णम्' – डॉ. एच. टी. ठक्कर, विद्याविवेक प्रकाशन, राजकोट
२३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा – भगवती प्रकाशन, राजकोट